विषय-वस्तु

शीर्षक: सच्ची दिव्यता - (खंड I)

परिचय 22

लेखक का संदेश.....35

अध्याय:

1. भगवान कौन हैं? - ब्रह्मांडीय ऊर्जा या शाश्वत मानव आत्माएँ 47

I. प्रकृति में ब्रह्मांडीय ऊर्जा के दृश्यमान स्वरुप 48

II. प्रकृति में ब्रह्मांडीय ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप 52

III. ब्रह्मांडीय ऊर्जा की परिभाषा और ईश्वर के रूप में धारणा 56

IV. ब्रह्मांडीय ऊर्जा की विशेषताओं के बारे में आश्चर्यजनक तथ्य 75

V. ब्रह्मांडीय ऊर्जा के परावर्तन (प्रतिलिपि/ नक़ल) की विशेषताएँ 80

VI. जीवन के स्वरूपों का निर्माण - क्या यह देवताओं या ब्रह्मांडीय ऊर्जा द्वारा किया जाता है? 84

VII. ब्रह्मांडीय ऊर्जा से संबंधित, भगवान के बारे में विभिन्न भ्रांतियां 96

VIII. सभी ब्रह्मांडीय ऊर्जा कणों की प्राथमिक आकांक्षा 111

IX. शाश्वत ब्रह्मांडीय ऊर्जा नियमोंके रहस्य 114

X. ब्रह्मांडीय ऊर्जा नियमों के अंतर्गत, देवताओं और मनुष्यों के बंधन 120

2. भगवान के रूप में ब्रह्मांडीय ऊर्जा के बारे में मनुष्यों की आस्थाएँ 139

I. ब्रह्मांड में ब्रह्मांडीय ऊर्जा के विभिन्न स्वरूप 140

II. मानव जीवन और ईश्वरीय आत्मा का शाश्वत जीवन - एक तुलना 144

III. जिसकी आप प्रशंसा करते हैं (पूजा करते हैं) - आप वही बन जाते हैं 150

IV. मूर्तियों/ छायाचित्रों के बिना ब्रह्मांडीय ऊर्जा की पूजा पर प्रभाव 160

V. मूर्तियों/ कलाचित्रों के साथ ब्रह्मांडीय ऊर्जा की पूजा पर प्रभाव 167

VI. क्या मुक्त विचरण करने वाले ब्रह्मांडीय ऊर्जा कणों को ईश्वर माना जा सकता है? 198

VII. भगवान के रूप में ब्रह्मांडीय ऊर्जा के विभिन्न विनिर्देशित सन्दर्भ 205

VIII. एकता की अवधारणा (ईश्वर और मानव एक ही हैं) 208

IX. द्वैत अवधारणा (मानव ईश्वर नहीं बन सकता) 216

X. त्रिगुणात्मक अवधारणा 218

XI. क्या मानव का क्रमागत विकास बंदर से हुआ है? 224

XII. ईश्वरीय आत्माएँ दिखाई क्यूँ नहीं देतीं? 228

3. ईश्वर के शाश्वत जीवन में **उनकी ब्रह्मांडीय शक्ति**याँ 231

I. ब्रह्मांड में देवात्माओं के अस्तित्व की खोज 232

II. देवताओं के रूप में शाश्वत मानव आत्माओं और देवात्माओं के ब्रह्मांडीय कौशल 237

III. हमारे पूर्वजों द्वारा विभिन्न देवात्माओं की खोज 245

IV. विभिन्न देशों में प्राचीन देवता, उनके पारिवारिक देवता और अन्य देवतागण 250

V. क्या देवतागण प्राकृतिक आपदाओं को उत्पन्न कर सकते हैं? 255

VI. मनुष्यों को देवताओं की ब्रह्मांडीय ऊर्जा का समर्थन 256

VII. देवताओं की दैवीय शक्तियाँ - एक चुंबक की शक्ति के साथ इनकी तुलना 260

VIII. ब्रह्मांडीय ऊर्जा पर देवताओं की शक्तियाँ - अष्टम सिद्धियाँ 270

IX. ब्रह्मांडीय ऊर्जा का उपयोग करके दैवीय अस्त्र का निर्माण करने के लिए देवताओं का कौशल 283

4. ब्रह्मांडीय ऊर्जा कण की शक्तियाँ - कंपन और परावर्तन 287

I. प्रकाश कंपनों के रूप में ब्रह्मांडीय ऊर्जा 288

II. विभिन्न रंग और उनके ऊर्जा के प्रभाव 291

III. पाँच तत्वों में ध्वनि कम्पनों के रूप में ब्रह्मांडीय ऊर्जा 298

IV. 'ॐ' कंपन का महत्त्व 308

V. क्या किसी मंत्र का 108 बार जाप करना अनिवार्य है? 311

VI. मानव मस्तिष्क के कक्षों को सक्रिय करने के लिए ब्रह्मांडीय ऊर्जा के कंपन 313

VII. मानव शरीर के चक्र क्षेत्रों को सक्रिय करने के लिए रंगों की ब्रह्मांडीय ऊर्जा 317

VIII. विभिन्न वस्तुओं के माध्यम से मानव मन पर ब्रह्मांडीय ऊर्जा के प्रतिबिंब..... 324

IX. मानव शरीर पर टैटू के प्रभाव 334

X. क्या मानव ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकते हैं? 338

5. ब्रह्मांडीय ऊर्जा के स्पंदनों द्वारा देवताओं के नाम - त्रिदेव और अन्य देवतागण..... 343

I. ब्रह्मांडीय ऊर्जा स्पंदनों पर आधारित त्रिदेवों के नाम 344

II. क्या देवलोक (देवताओं का निवास स्थान) पृथ्वी पर है या आकाश में? 363

III. ब्रह्मांडीय स्पंदनों के आधार पर विभिन्न देवों/ देवियों के नाम..... 366

IV. संतों की तपस्या, ऋषियों की अग्नि पूजा और राजाओं के मंदिर - एक तुलना 373

V. विभिन्न देवताओं की शक्तियाँ और उनके ब्रह्मांडीय ऊर्जा के मंत्र 380

VI. विभिन्न ईश्वरीय आत्माओं के रंग एवं दिव्य लक्षण 383

6. मानव आत्माओं की विभिन्न स्थितियाँ और देवात्माओं के पदानुक्रम 387

I. मानव आत्माओं और देवात्माओं की विभिन्न स्थितियाँ 388

II. आदि पराशक्ति देवी के रूप में दिव्य उपाधि 412

III. पारिवारिक देवताओं के साथ दैवीय पदानुक्रम का विस्तार 358

IV. मृत्युपरांत जीवन में पारिवारिक देवता की प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए ब्रह्मांडीय रहस्य 423

V. भारत में कई ईश्वर और अम्मान मंदिरों के लिए औचित्य 434

VI. दिव्य पदानुक्रम में तृतीयक स्तर के देवता 438

VII. अवतारों और पुनर्जन्मों के रूप में देवताओं के पुनर्जन्म पर मनुष्यों की मान्यताएँ.. 441

शब्दावली ..... 457 - 469